श्री अमरनाथ यात्रा

रंगीन फोटो एलबम

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

श्री अमरनाथ यात्रा

प्रत्येक यात्री को चाहिए की वह जिस यात्रा पर जा रहा है उसके बारे में पहले से ही पूरी जानकारी ले लें कि वह पवित्र स्थान कहां पर है, उसका महत्व क्या है और जाने का कौन सा मार्ग है। श्री अमरनाथ का परम-पवन स्थान कश्मीर में स्थित है। कश्मीर तीर्थो का घर है। आदिशक्ति जगदम्बा ने उसे क्षेत्र में अपना स्थायी निवास बनाया और ब्राह्म, विष्णु, महेश ने भी उस भूमी को, अपना स्थायी निवास बनाया। जिससे यह देश तीर्थमय हो गया। कश्मीर मे 47 शिवधाम, 60 विष्णुधाम, 3 ब्राह्म धाम, 22 शक्ति धाम व 600 जागधाम तथा करोड़ों तीर्थ है। परन्तु उनमें जो तीर्थ अत्यन्त उत्तम है उनमें से एक है श्री अमरनाथ। यह 51 शक्ति पीठों में से एक पीठ है।

अमरनाथ की प्रसिद्व गुफा हिम-आच्छादित पर्वतों के मध्य 12729 फीट ऊँचाई पर स्थित है। स्वयं-प्रकट होने वाले शिवलिंग के साथ अनेक कथओं का सम्बन्ध है। भगवान् शिव का प्रकृति द्वारा रचित हिमशिवलिंग में प्रकट होना अपने में ही एक आश्चर्य है। यह शिवलिंग अमावस्या से पूर्णिमा तक बढ़ कर पूर्ण होता है और पुनः घटना प्रारम्भ कर देता है। शिवलिंग अमावस्या को भी रहता है। कुछ लेखकों ने ऐसा वर्णन किया है कि अमावस्या को शिवलिंग नहीं रहता है। यह कहना गलत है। यह शिवलिंग भगवती-महामया (प्रकृति) की कृपा से स्वयं बनता है और बहुत ही मन्द-गति से क्षीण होता है। यह लिंग कभी भी पूर्णतया लुप्त नहीं होता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

SHANKARACHARYA TEMPLE

The ancient temple of shankaracharya nestles on the Takht-i-Sulaiman hill, about 1000 feet above Srinagar city. The present shrine dedicated to Lord Shiva dates back to emperor jahangir's time and is said to be built on the site where the great Asdvaita philosopher saint Adi Shankrachrya stayed during his visit to Kashmir, about ten centuries ago. A breathataking view of the Dal Lake and the snowy peaks of the pir panjal range can be enjoyed from here —. Photo by Sardar Foja Singh

शंकराचार्य मन्दिर

यह मन्दिर 305 मीटर ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। इस पहाड़ को दो नामों से जाना जाता है ''पाश पहाड़'' एवं ''तख्ते सूलेमान''। कहा जाता है कि यह मंदिर 200 ईसा पूर्व बना था। यहां पहुंचने के लिए लगभग 240 सिढ़ीयाँ चढ़नी पड़ती है। इस स्थान से पूरे श्रीनगर शहर का मनोरम दृश्य देख सकते हैं। इस नये मंदिर के निर्माण का आदेश उस मसय के महाराजा रणजीत सिंह ने दिया था। उनके राज्यकाल में हिन्दु-सिख और मुसलमान में कोई मतभेद नहीं होता था और सब धार्मों का एक समान आदर होता था। इसके संबंध मैं यह भी मत है कि सन् 820 ई. मैं चौथे शंकराचार्य ने कश्मीर आकर इसी पहाड़ी पर तपस्या की थी। दुर्गानाग की तरफ से महाराजा गुलाब सिंह ने सन् 1925 ई. में इस मन्दिर तक पहुंचने के पत्थरों की 41 सीढिया बनवाई थी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

Photo By : Sardar Foja Singh Shri Nagar

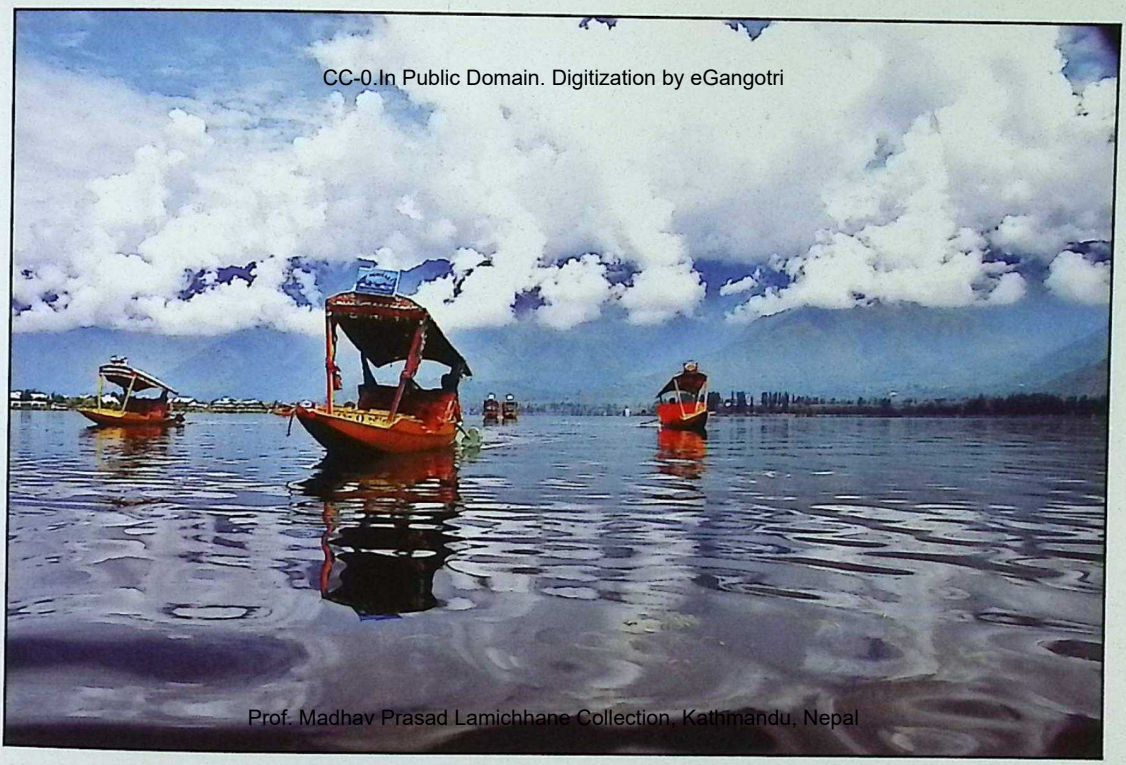

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

DAL LAKE

The Dal for its vibrance, because it sustains within its periphery, a life that is unique anywhwew in the world. The housboats and shikara communities have lived for centuries on the Dal, and so complete is their infrastructure in the lake, that they never have to step on land ! Doctors, tailors, bakers-you'll see them all in tiny wooden shops on the lake, near pictiresque vegetable gardens and acers of lotus gardens. A shikara ride is one of the most soothing, realaxing aspects of a holiday in Kashmir. It can be hour long ride to see the sights of the Dal; a shopping-by-shikara expedition to visit handicraft shops within the periphery of the lake; or a whole day trip to visit inportant city landmarks.

डल झील

विश्व प्रसिद्ध यह स्वच्छ पानी की झील भारत में सबसे बड़ी झील है। जिसकी कुल लम्बाई 8 कि.मी. और चौढ़ाई 4 कि. मी. है। डल झील को श्रीनगर शहर का दिल कहा जाता है। इसी झील के ऊपर सारे मुगल बाग स्थित हैं जैसे चश्मेशाही, नेहरू पार्क, निशात बाग और शालीमार बाग। डल झील को चारों ओर से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों ने घेर रखा है। जबरवान और महादेव पर्वत बिल्कुल इसके पास हैं और पहाड़ों की चोटियों पर सारा साल बर्फ पड़ी रहती है। डल झील से आप परी महल और सेन्ट्यर होटल सेफ देख सकते हैं। झील के ठीक बीच में चार चिनार का एक छोटा सा द्वीप है जिस पर सुन्दर सा बाग हुआ है। चार चिनार देखने के लिए केवल शिकारे के द्वारा ही जाया जा सकता है। नेहरू पार्क जाने के लिए भी आपको शिकारा ही लेना होगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

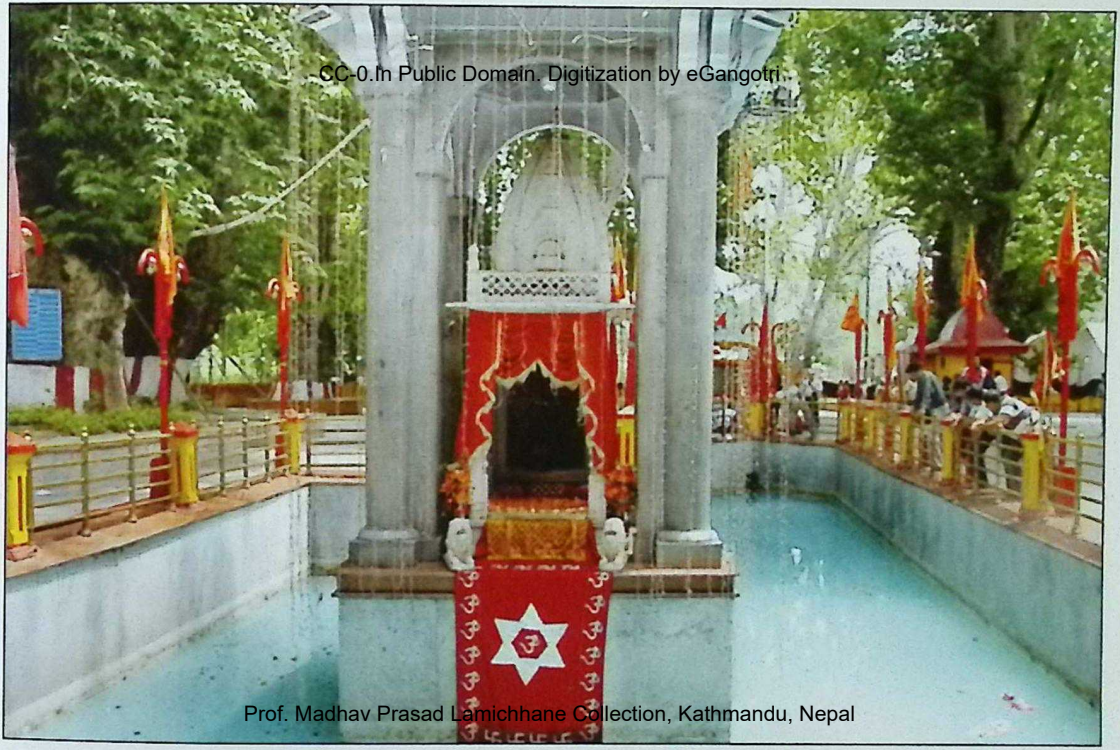

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

KHEER BHAWANI

Kheer bhawani (27 km) in Tulla mulla village is another of Kashmir's living Hindu heritage sites. It is a temple in the middle of a spring which symbolizes the goddes Ragnya Devi. And is affectionery known as Kheer Bhawani in account of the tradition of offering "Kheer" by throngs of devotees to the sacred spring. The spring water magically tums black if any disaster is to occur kashmir

खीर-भवानी मन्दिर

श्री नगर से 30 कि.मी. दूर यह मन्दिर श्रीनगर-सोनामार्ग पर स्थित हैं अमरनाथ यात्रा के दिनों में यहां पर बहुत रौनक होती है और हर अष्टमी को मेला लगता हैं गन्दरबल से 3 कि.मी. दूर एक छोटी सड़क से जाना हेता हैं यह मन्दिर कश्मीर के हिन्दुओं के लिए अत्यंत श्रद्धा का केन्द्र है। इस मन्दिर का दृश्य देखते ही बनता है। चिनारों के पेड़ों से घिरा यह समतल घाटी में बना है और इसके कुछ दूर मानसबल झील हैं मन्दिर में शिव और दुर्गा माता दोनों की प्रतिमायें हैं और कहा जाता है। कि यहीं एकमात्र ऐसा मन्दिर हैं जिसमें शिव एवं शक्ति दोनों की इकट्ठी पूजा होती है। एक पुरातन प्रथा के अनुसार यहा आज भी खीर का भोग लगता है। मन्दिर के इर्द-गिर्द एक सरोवर है जिसका जल अगर कई बार रंग बदलता है तो यह शुभ-अशुभ का संकेत देता है।

Prof. Madhavi Prasad Lalit Kala Academy, Srinagar. Digitized by eGangotri

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

MATTAN TEMPLE
मटन मंदिर

श्रीनगर से 61 कि०मी० दुर यह स्थान श्रीनगर-पहलगाम सड़क पर आता है परन्तु मुख्य सड़क से 500 मीटर अन्दर को जाने के लिए एक पुरानी सड़क लेनी होगी क्योंकि नई सड़क बन जाने से यह मन्दिर और गांव कट गया है। यहां पर हिन्दुओं का एक पवित्र मन्दिर भी है जो सरोवर के बीच में स्थित है। सरोवर में बहुत सी मछली हैं। पहले यह स्थान हिन्दुओं के लिए बहुत पवित्र था परन्तु अब यहां पर कुछ ही घर हिन्दु रह गये हैं। मन्दिर की रौनक खत्म हो गई है। केवल सुरक्षा कर्मी ही पूजा करते हैं। यहां पर सिखों का एक गुरूद्वारा भी है। सरोवर हिन्दुओं और सिखों के लिए पुजनीय है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

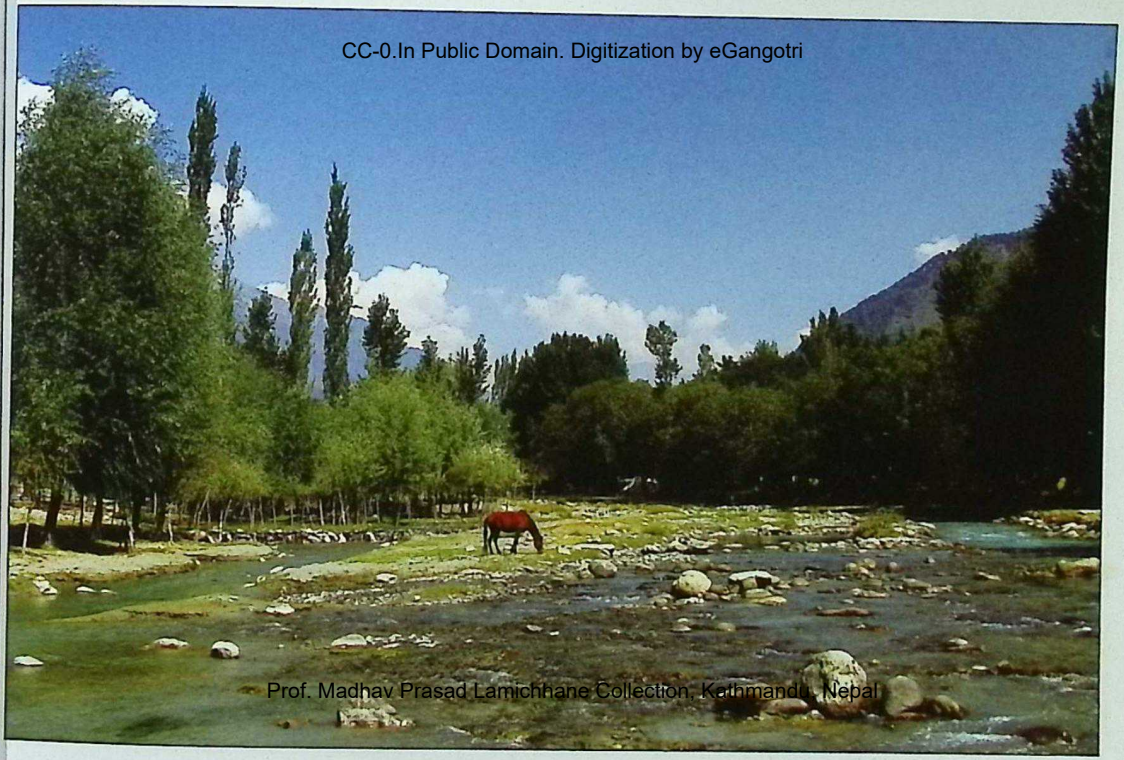

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

PAHALGAM

Picturesque Pahalgam an idyllic resort set on the confluence of lidder and Sheshnag streams is endowed with enormous natural beauty and science vistas. It is a perfect place for lesiure, pleasure and relaxation and has metamotphosed from a humble shepherd's villages to Kashmir's premier tourist resort. pahalgam is also an important trekking base, the most famous being the holy pilgrimage to the Amarnath cave. it is 96 kms. from srinagar and is connected by road.

Abdul Ahad Sheikh Book Shop & Caftaria, Chandanwari Pahalgam

Visit For Kashmir Album, Guide, Amarnath Photos and Fast Food & Cold Drinks

पहलगाम

श्रीनगर से 96 किमी की दूरी पर स्थित पहलगाम एक बहुत ही रमणीय पर्यटन स्थल है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 2195 मीटर है। यह पर्वतरोहण के लिए आधार स्थल है। यहां का पानी बहुत ही ठण्डा है और यहां मछली पकड़ने का भी विशेष प्रबन्ध है। पहलगाम चारों और से ऊँचे-ऊँचे बर्फ से ढ़के हुए पर्वतों से घिरा हुआ है। अमरनाथ की वार्षिक यात्र भी यहीं से प्रारम्भ होती है।

चन्दनवाड़ी : समुद्रतल से 2602 मीटर ऊँचाई पर तथा पहलगाम से 16 कि.मी. दूर स्थित है। चन्दवाड़ी दर्शकों के लिए बर्फ के पूल के कारण मनोरंजन का स्थान है। श्री अमरनाथ जाने के लिए यहीं से रास्ता जाता है यहां पर जाने के लिए एक छोटी सड़क जाती है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0 In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

CHANDANWARI

About 16 km from pahalgam at an attitude of 9500 feet above sea level. This is a delightfull picnic spot and the first stage on the way to shree Amarnath cave. Chandanwari in connected with pahalgam through a all weather road and you can enjoy beautiful scenery on way to Chandanwari. Best mode of transport is Mini Bus or Light Vehicle there are few shops, a rest house and small hotel for tea and lunch.

चन्दनवाड़ी

आजकल पहलगाँव से चन्दनवाड़ी तक सड़क जाती है और आप यह 16 किलोमीटर का रास्ता आप छोटी बस या टैक्सी टाटासूमों द्वारा तय कर सकते है, पहलगाँव से चन्दनवाड़ी साधारणत: अच्छा है, लिद्दर नदी के किनारे -किनारे जाते हुए रास्ते में बहुत से सुन्दर दृश्य देखने को मिलते है। यहां पर कुछ दुकाने है और अपनी टाटासूमो व कारे यही खड़ी करनी होगी। इसके आगे का मार्ग पैदल श्री अमरनाथ गुफा को जाता है। श्री अमरनाथ की गुफा यह से 30 किलोमीटर की दुरी पर हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

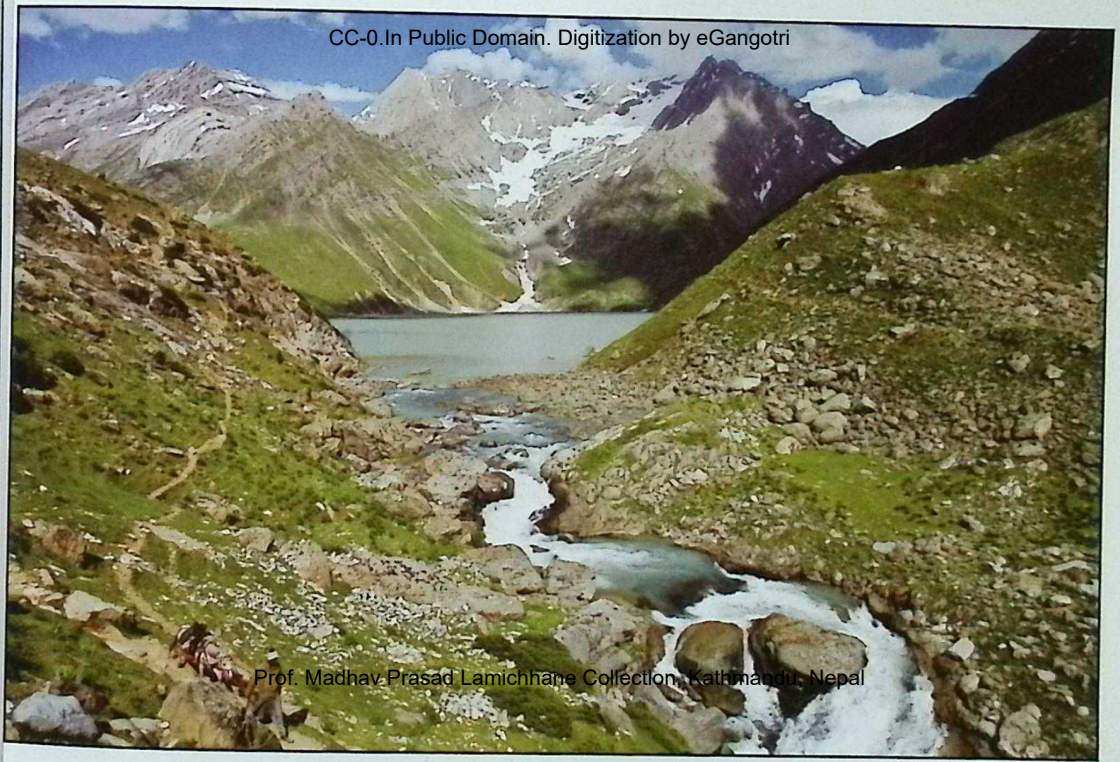

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

SHESHNAG LAKE

शेषनाग झील

चन्दनवाड़ी से आगे का सारा रास्ता पहाड़ी है और आपको पैदल या घोड़े से पूरा करना होगा। शेषनाग चन्दनवाड़ी से 13 कि.मी. दूर है और समुद्र तट से 11330 फुट की ऊँचाई पर है। यहां एक डाक बंगला भी है परन्तु यात्रा काल में अधिक भीड़ होती है। यात्री को अतः तम्बू लगाकर ही ठहरना पड़ता है। तम्बू पहलगांव से किराये पर ले लेना चाहिए। बहुत से भण्डारे वालों ने भी यात्रियों के लिए खाने और ठहराने का प्रबंध किया होता है जो निःशुल्क होता है। स्थान स्थान पर पंजाब और दिल्ली वालों के भण्डारे लगे हुए हैं जहां से यात्री को मुफ्त भोजन चाय और रात ठहराने के लिए स्थान प्रदान किया जाता है। शेषनाग झील के निर्मल जल में स्नान करके रास्ते की सारी थकावट दूर हो जाती है। यहां स्नान करने से गंगास्नान के समान ही फल प्राप्त होता है। दूर से देखने पर यह झील बहुत सुन्दर दिखाई देती है। कहा जाता है कि इस स्थान पर शंकरजी ने सर्प-मालाओं का परित्याग किया था। चन्दनवाड़ी के वाद 4 कि0मी0 पिस्सूघाटी की कठिन चढ़ाई आती है फिर जोंजिला आता है, परन्तु सारा मार्ग हर - हर महादेव कहते हुये पूरा हो जाता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

MAHAGUNES TOP

महागुनस पर्वत

यात्रा का कठिन और रोचक पड़ाव जहां प्रकृति में शंकर भगवान् के दर्शन होते हैं। महागुनस पर्वत का संबंधा श्री गणेश जी से है। शेषनाग झील के बाद सुबह जब यात्री आगे की यात्रा शुरू करते हैं तो देखने को मिलती है बर्फ से लदी पहाडत्रों की चोटिया जिन पर सूर्य की किरणें पड़ रही होती हैं।

मानों सूर्य देवता बर्फ से लदी चोटियों से झांक रहे हों। शेषनाग के बाद यात्रा की सर्वाधिक ऊचाई वाले महागुनस पर्वत को देखते ही आंखे अपलक रह जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस विशाल पर्वत को पार कना बहुत कठिन काम है। भोले शंकर की जय-जयकार करते यह रास्ता भी कट जाता है। फूलती हुई सांस, हाथ में छड़ी, मुंह में मुनक्का-बादाम और भोले का जयघोष सब कुछ साथ-साथ हो रहा होता है।

समुद्र तल से 145000 फुट की ऊचाई पर पहुँचकर लगता है कि कुछ भी असंभव नहीं है केवल शंकर भोले की कृपा ही दिखाई देने वाले विशालकाय पर्वत के आगोश में लिए यह स्थल भी आकार में आश्चर्यजनक हैं इस पर्वत को पार करते ही शुरू होती हैं ढलान उताराई फिर विश्वास होता है कि इन्हीं पर्वतों में भोले शंकर का निवास है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

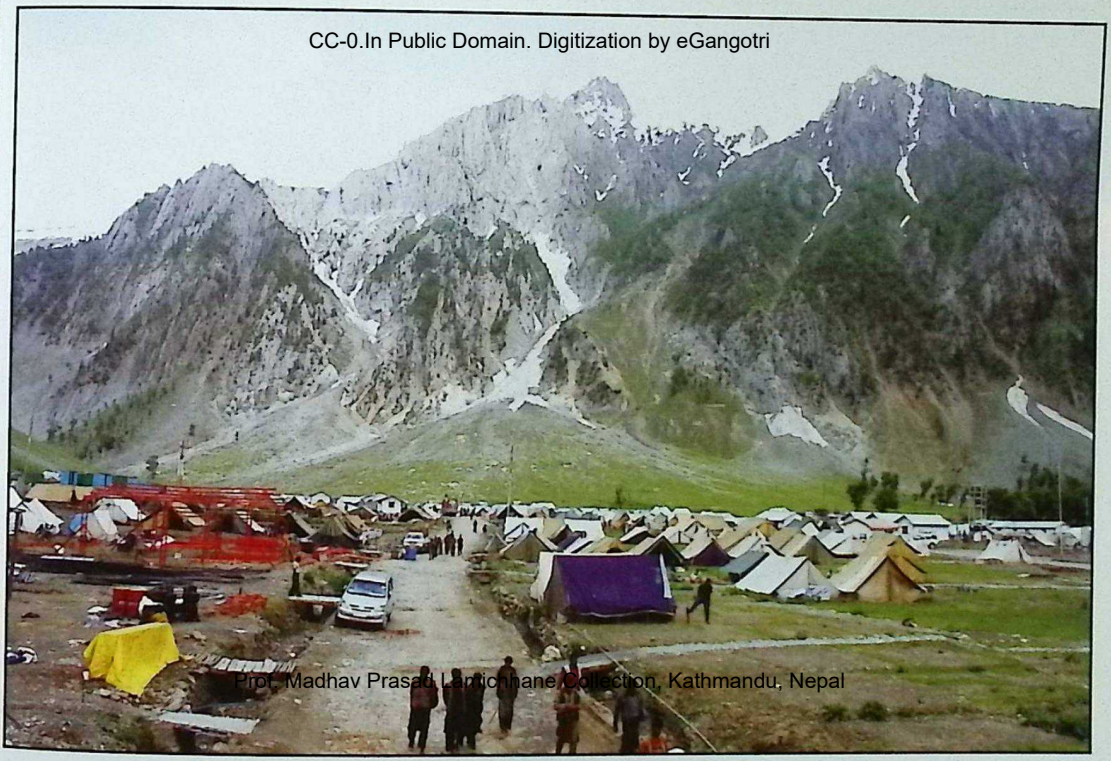

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

PANCHTARNI

पंचतरणी

शेषनाग से 13 कि0मी0 दूर पंचतरणी नामक स्थान आता है। यह स्थान समुद्रतल से लगभग 12000 फीट ऊंचा है। शेषनाग के बाद रास्ते में बहुत से स्थानों पर आपको बर्फ पर चलना पड़ सकता है। इस मार्ग पर चलने से पूर्व हाथों तथा मुख पर वैसलिन आदि लगा लेना चाहिए। अधिक ऊँचाई पर हवा का दबाव कम होने के कारण दिल घबराने की शिकायत कई यात्रियों को होने

लगती है तथा मिचली आदि आती है। इसके लिए आपको आलू बुखारा, खटाई चुसने से आराम मिलता है। शेषनाग से आगे चलते ही महागुन्स पर्वत की कठिन चढ़ाई प्रारम्भ होती है। महागुन्स पर्वत की ऊँचाई 14600 फीट है और रास्ते में बहुत से नाले और छोटी नदियां बहती रहती हैं। नीचे उतर कर यात्री भैरव पर्वत से होते हुए पांच नदियां अर्थात पंचतरणी नामक पडाव पर ठहरते हैं। यहां भगवान शंकर की जटा से भगीरथ गंगा पंचधाराओं के रूप में निकली थी। ऐसी मान्यता भी है कि भगवान शंकर ने श्री अमरनाथ की गुफा में प्रवेश करने से पहले इस स्थान पर पंचतावों का परित्याग करके ताण्डव नृत्य किया था। यात्रा के दिनों में यह स्थान तम्बुओं का नगर सा दिखाई देता है। बहुत से भण्डारे लगे हुए होते हैं जहां लंगर का उचित प्रबन्ध होता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu. Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

THE HOLI CAVE

पवित्र गुफा

श्री अमरनाथ गुफा : पंचतरणी से श्री अमरनाथ की दूरी केवल 6 कि0मी0 है। पंचतराणी से 2 कि0मी0 दूर से संगम नामक का स्थान आता है। यही पर एक दूसरा रास्ता सोनामर्ग–बालटल वाला भी मिल जाता है फिर दोनों रास्ते एक हो जाते हैं और दूर से नजर आती है पवित्र गुफा और नीचे अमरावती नदी बहती है। अमरावती नदी में स्नान करके ही यात्री अमरनाथ गुफा में प्रवेश करते हैं। मार्ग में स्थान–स्थान पर बर्फ पड़ी रहती है जिस के ऊपर चलकर यात्री को गुफा तक जाना होता है। गुफा के समीप निकलने वाली सफेद भस्म को शरीर पर मलकर भगवान अमरनाथ, भगवती मां पार्वती तथा विघ्न हरण गणेश का पूजन

दर्शन करके पुनः यात्री शाम को पंचतरणी लौट आते हैं। अमरनाथ जी में ठहरने का कोई स्थान नहीं है। अमरनाथ गुफा पर पुलिस चिकित्सा खाना, चाय और कम्बल आदि प्रदान करते हैं। उसी पवित्र गुफा में यात्री हिम निर्मित शिवलिंग के दर्शन करते हैं। शिवलिंग को देखकर यात्री कह उठता है कि मुझे साक्षात ईश्वर के दर्शन हो गए।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

BALTAL - SONAMARG
बालटल – सोनामर्ग

बालटल एक बहुत सुन्दर स्थान है और आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यहां पर कोई आबादी नहीं है और न ही कोई मकान है। केवल सेना के कुछ बैरक हैं। सारा स्थान एक खुला जंगल है और यात्रा के दिनों में यहां पर बहुत सी दुकानें और भण्डारे लग जाते हैं जहां से आपको जरूरत की सारी वस्तुऐं मिल सकती हैं। कुछ भण्डारों में आपको भोजन, चाय और रात विश्राम करने का स्थान निःशुल्क मिल सकता है। देखने से ही पता चलता है की शंकर भगवान ने कैसे जंगल में मंगल किया हुआ है। सोनामर्ग बालटल से कुछ पहले एक सड़क ऊपर की ओर कारगिल–लेह चली जाती है और नीचे वाली छोटी सड़क बालटल जाती हैं बालटल में रात विश्राम करने के बाद आप अमरनाथ गुफा की ओर पैदल यात्रा शुरू कर सकते हैं अगर मौसम खराब हो तो यात्रा शुरू न करें क्योंकि रास्ते में बहुत फिसलन हो सकती है। बालटल से चार कि0मी0 बाद शुरू होती है बराड़ीमार्ग की कठिन चढ़ाई जो इस रास्ते का सबसे कठिन पढाव है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

HOUSE BOATS & SHIKARAS

The Dal lake is also famous for its majestic houseboats and shikaras. A House Boat is furnished luxuriousy with rich wood carved interiors, laid with beautiful persian carpets and housing priceless Kashmiri handicrafts. Staying in a houseboat is a very unique and unforgettble experience. The House Boats can be reached by shikaras, the gondola like boats, with spring cushion seats and silken curtains. The shikaras are also used for pleasure rides, which is one of the most soothing and relaxing aspect of holidays in Kashmir.

हाउस बोट और शिकारें

यह कश्मीर में पर्यकों के लिए विशेष आकर्षण का कारण है। यह हाउस बोट और शिकारे डल झील, झेलहम नदी एवं नागीन झील में तैरते दिखाई देते हैं। यहां के व्यापारी अपने शिकारों में ही सामान डालकर बेचने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर बेचने के लिए आते-जाते हैं। ये हाउस बोट होटलों की तरह काम करते हैं तथा इनमें पर्यटकों के रहने, खाने-पीने की सम्पूर्ण सुविधांए उपलब्ध हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

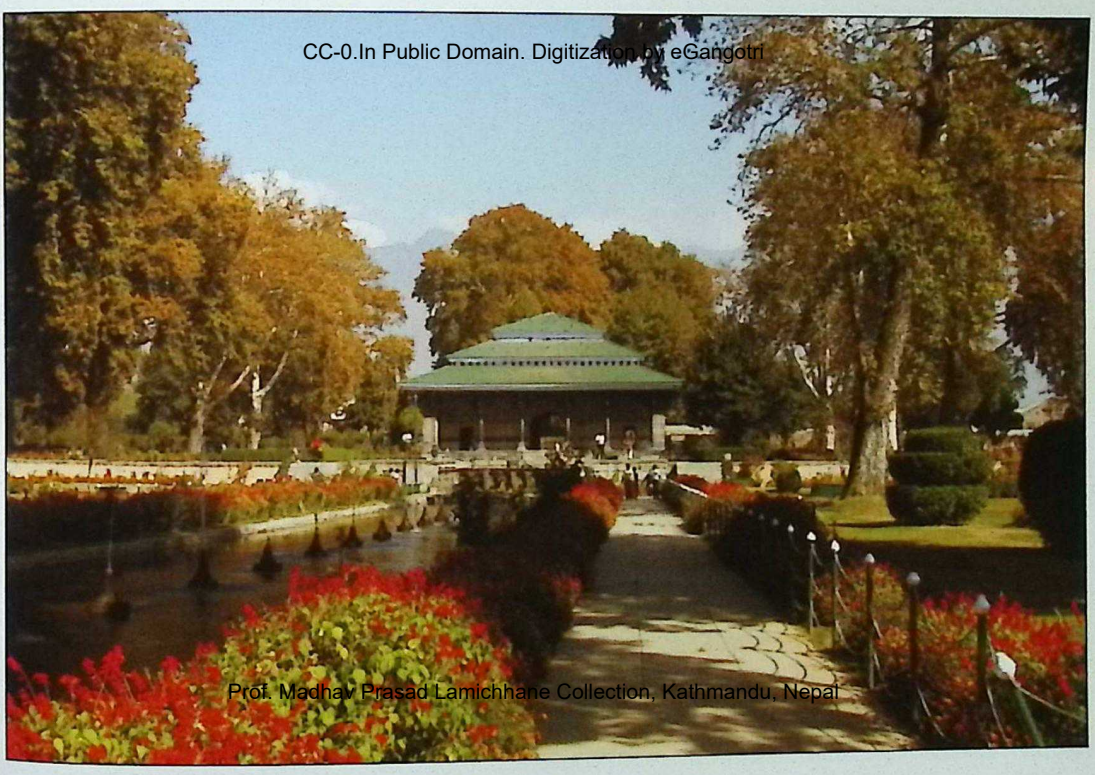

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

SHALIMAR BAGH

The beautiful terraced garden was laid by emperor jehangir for his beloved wife Nur jahan. The huge garden. It has beautiful fountains in between and a cenal runs through the middle of the garden which is supplied with water from Harwan.

Gulstan Studio Opposite : Shalimar bag Srinagar Prop. : Gulam Mohd. Wani

you can buy, Kashmir Album, Guide, Tourist Maps & Amarnath Yatra Photo From This Shop.

शालीमार बाग

इस बाग को बादशाह जहांगीर ने अपनी बेगम नूरजहां के लिए बनवाया था। यह श्रीनगर से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। इस बाग में कई तरह के फूल एवं फलों के पौधे लगाये है साथ ही यहां चीड़ के पौधे की लम्बी कतारें पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करती है। रात में प्रतिदिन यहां लाईट एवं साउण्ड कार्यक्रम का आयेजन होता है।

बाग के बाहर बहुत से दुकाने है जहां से खाने-पीने की चीजें और फोटोग्राफी का सामान, फोटो एलबम, कश्मीर के नक्शें, अमरनाथ यात्रा की फोटों और कश्मीरी कला का समान मिल सकता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

Photo By : G.M. Wani

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

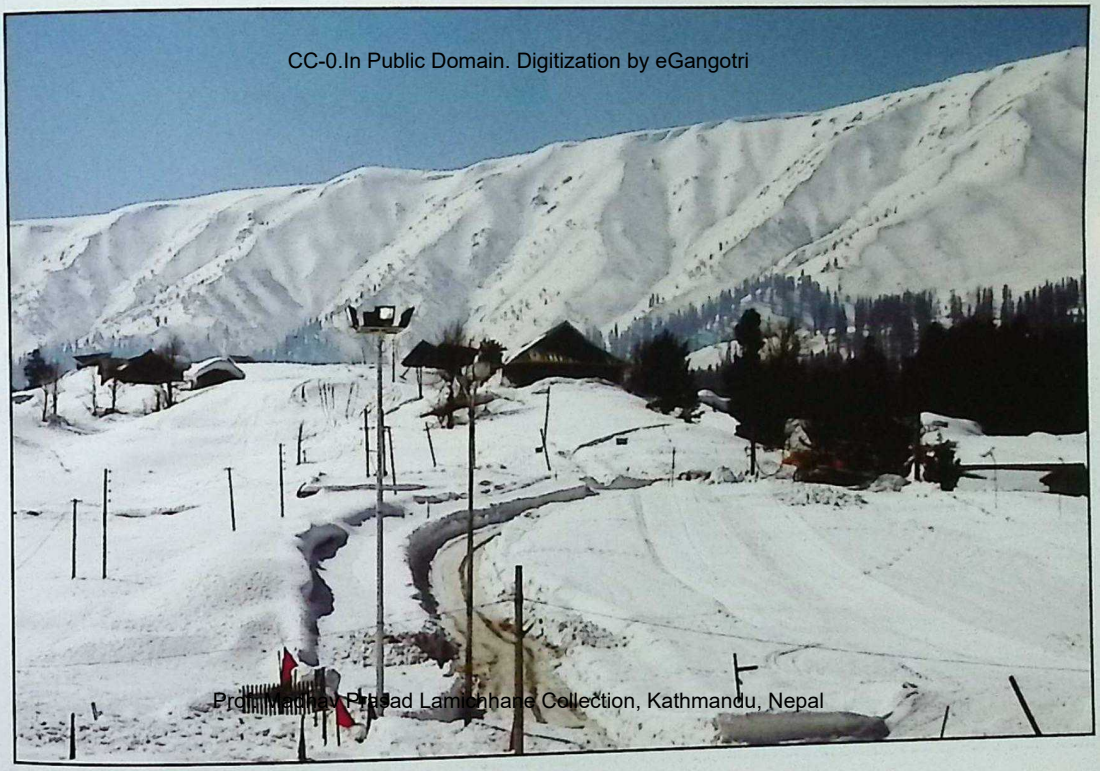

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Gulmarg

Gorgeous Gulmarg. literally the 'Meadow of flowers' is 57 kms. from Srinagar and one of the most unique hill resorts of the world. This huge grassy. cup-shaped medow at an altitude of 2653 meters is surrounded by fir trees and majestic snow-clad peaks. It is said to be first dicovered by Yusuf Shah chak, a Kashmiri ruler in 15th century of Lord Shiva. The resort was later renamed as 'Gulmarg' by the Mughals.

फूलों की घाटी के नाम से जाना जाने वाला यह सुन्दर पर्वतीय स्थल श्रीनगर से 57 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहां हरे-भरे मैदानों, विभिन्न किस्मों के फूलों के साथ-साथ गोल्फ के सर्वश्रेष्ठ मैदान हैं। कहा जाता है पहले इसका नाम शिव की पत्नी के 'गौरी' के नाम पर था। सन् 1581 में युसफशाह द्वारा इसका नाम गुलमार्ग कर दिया। यहां शीतकालीन खेलों का भी आनन्द लिया जा सकता है।

Prof. Satya Vrat Shastri Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

VAISHNO DEVI

The sacred abode of Godless Vaishno Devi is perched at a height of 5,200 ft. on the holy Trikuta Hills. The small town of Katra (2,800ft) is about 48 kms. from Jammu and is the base camp for visiting the Holy Cave of Vaishno Devi Mata, located about 13 kms. from here. Obtain a Yatra slip only from the Yatra registration counter at the Tourist Reception Centre at the Katra bus stand, before starting the journey. The pilgrimage formally commences from Darshini Deori, at the northern end of the old Katra bazaar. The holy cave enshrines three natural rock images (pindian) of the Goddess (Mata) in her three forms Maha Saraswati, Maha Lakshmi and Maha Kali, which represents creative, preservative and destructive aspects of the divine energy.

माता वैष्णो देवी

यह पवित्र स्थल जम्मू से लगभग 75 किमी की दूरी पर स्थित है। जम्मू से कटरा तक बस द्वारा जाना पड़ता है वहाँ से लगभग 14 किमी पहाड़ी रास्ते से पैदल या घोड़े के द्वारा जाना पड़ता है। कटरा से यात्रा शुरू करने से पहले सभी को वहां स्थित ''पर्यटक स्वागत केन्द्र'' से एक यात्री पर्ची लेना अनिवार्य होता है। कटरा से भूमिका मंदिर, दर्शनी दरवाजा बाण गंगा एवं चरण पादुका जैसे कई स्थानों के दर्शन करते हुए गुफा के मुख्य द्वार तक पहुंचते है और यहाँ गर्भगृह में वैष्णों देवी (जिसे त्रिकूटा देवी भी कहते है) पिण्डी रूप में स्थापित है, के दर्शन करते है। यहाँ वर्ष भर लाखों श्रद्धालू आते है। नवरात्रों के दिनों में तो यहाँ विशेष भीड़ रहती है। यहां ठहरने, खाने पीने की उत्तम व्यवस्था रहती है।

Prof. Madhav Hariharan Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

अमरनाथ मार्ग मानचित्र

पवित्र गुफा श्री अमरनाथ जी

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal